संख्या-209/2023/527/41-2023-10(सा0)/2023

प्रेषक,

मुकेश कुमार मेश्राम,
प्रमुख सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
पर्यटन, उ0प्र0
लखनऊ।

पर्यटन अनुभाग **लखनऊ:: दिनांक** 18 मार्च**, 2023**

विषय: जनपद सिद्धार्थनगर के कपिलवस्तु के पिपरहवा स्थित विपश्यना केन्द्र के पर्यटन विकास की योजना में सम्मिलित उच्च विशिष्टियों के निर्माण के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक पर्यटन निदेशालय के **पत्र संख्या-**6288**/**6-1-1/(1415)/2021-22, **दिनांक** 30**.**11**.2022 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा** जनपद सिद्धार्थनगर के कपिलवस्तु के पिपरहवा स्थित विपश्यना केन्द्र के पर्यटन विकास की योजना हेतु उ0प्र0 प्रोजेक्ट्स कारपोरेशन लि0, इकाई-23, बस्ती द्वारा गठित आगणन धनराशि रू0 2489.08 लाख प्रस्ताव को प्रेषित करते हुए प्रशासकीय एवं वित्तीय प्रदान किये जाने का अनुरोध किया गया है। पी0एफ0ए0डी0 की मूल्यांकन आख्या दिनांक 06.01.2023 में परियोजना में धनराशि रू0 41.26 लाख की उच्च विशिष्टियों के कार्य पाये गये। तत्क्रम में पर्यटन निदेशालय के **पत्र संख्या-**8053**/**6-1-1/(1415)/2022-23, **दिनांक** 27**.**01**.2023** द्वारा परियोजना में सम्मिलित उच्च विशिष्टियों के संबंध में **मा0 मंत्रिपरिषद का अनुमोदन प्राप्त किये जाने हेतु प्रस्ताव उपलब्ध कराया गया।**

2- विविध पर्यटन आकर्षणों के दृष्टि से उत्तर प्रदेश भारत का सबसे महत्वपूर्ण राज्य है। भारत में घरेलू पर्यटकों एवं विदेशी पर्यटकों के आगमन की दृष्टि से उत्तर प्रदेश का क्रमशः प्रथम एवं तृतीय स्थान है। गौरवशाली ऐतिहासिक एवं धार्मिक विरासतों तथा समृद्ध प्राकृतिक वन सम्पदा की दृष्टि से उत्तर प्रदेश में पर्यटन की असीम सम्भावनायें विद्यमान है।

पिपरहवा उत्तर प्रदेश के जनपद सिद्धार्थनगर में स्थित है। पिपरहवा स्तूप की खुदाई 1897-98 ई0 में की गयी थी। सन् 1898 ई0 में ही इसे जर्नल ऑफ रायल एशियाटिक सोसायटी में प्रकाशित किया गया। तत्पश्चात 1973-74 में इस स्थल की खुदाई में प्राप्त अवशेषों के आधार पर पिपरहवा के कपिलवस्तु होने की मुहर लगी। गौतमबुद्ध के जीवन से जुड़ी अनेक महत्वपूर्ण घटनायें इसी क्षेत्र में घटित हुई। पिपरहवा उत्तर प्रदेश राज्य के सिद्धार्थनगर जिले के ब्लाक-बर्डपुर कस्बे के पास का एक गाँव है। पिपरहवा अपने पुरातात्विक स्थल एवं खुदाई के लिए जाना जाता है। कपिलवस्तु में शाक्यों का राज प्रसाद, बौद्ध काल में निर्मित बौद्ध विहारों के खण्डहर तथा शाक्य मुनि के अस्थि अवशेष पाये गये हैं। जिले का इतिहास बौद्ध धर्म के

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

संस्थापक भगवान गौतम बुद्ध के जीवन से जुड़ा हुआ है। इस जनपद का नामकरण गौतमबुद्ध के बाल्यावस्था के नाम राजकुमार सिद्धार्थ के नाम पर हुआ है।

पिपरहवा से महात्मा बुद्ध की जन्म स्थली लुम्बिनी 33 कि0मी0 पर स्थित है। पिपरहवा के निकटतम हवाई अड्डा गोरखपुर, जो 140 कि0मी0 की दूरी पर है। इसी प्रकार निकटतम रेलवे स्टेशन नौगढ़ है, जो पिपरहवा से लगभग 25 कि0मी0 की दूरी पर है। प्रदेश की राजधानी लखनऊ से लगभग 270 कि0मी0 की दूरी पर पिपरहवा स्थित है। पिपरहवा सड़क मार्ग से भी जुड़ा हुआ है। गौतम बुद्ध के जीवन का प्रारम्भिक काल खण्ड यहीं व्यतीत हुआ था। कपिलवस्तु शाक्य गणराज्य की राजधानी थी। महात्मा बुद्ध के जीवन से घनिष्ठ सम्बन्ध होने के कारण कपिलवस्तु में लाखों की संख्या में बौद्ध धर्म से जुड़े अनुयायी, पर्यटक एवं श्रृद्धालु वर्ष भर आते रहते हैं। प्रमुख धार्मिक पर्वों के अवसर पर यहाँ पर्यटकों एवं श्रृद्धालुओं की अत्यधिक भीड़ रहती है। उक्त के दृष्टिगत जनपद सिद्धार्थनगर के कपिलवस्तु के पिपरहवा स्थित विपश्यना केन्द्र के पर्यटन विकास का प्रस्ताव किया गया है।

जनपद सिद्धार्थनगर के कपिलवस्तु के पिपरहवा स्थित पिपश्यना केन्द्र के पर्यटन विकास हेतु आगणित धनराशि रू0 2489.08 लाख के सापेक्ष प्रायोजना रचना एवं मूल्यांकन प्रभाग, राज्य नियोजन संस्थान, उत्तर प्रदेश द्वारा रू0 2437.02 लाख आंकलित की गयी है। उक्त प्रायोजना हेतु उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कारपोरेशन लि0 को कार्यदायी संस्था नामित किया गया है। उ0प्र0 प्रोजेक्ट कारपोरेशन लि0 के पत्र संख्या-1046 पीसीएल/महाप्रब0/जोन-3/लखनऊ/पर्यटन, दिनांक 18.01.2023 द्वारा यह अवगत कराया गया है कि उपर्युक्त आंकलित धनराशि में उच्च विशिष्टियों के कार्य यथा फाल्स सीलिंग धनराशि रू0 12.17 लाख, एकस्टिकल क्लैडिंग धनराशि रू0 18.23 लाख एवं जिंक क्लैडिंग धनराशि रू0 10.86 लाख अर्थात कुल धनराशि रू0 41.26 लाख सम्मिलित है।

उच्च विशिष्टियों के कार्य हेतु प्रायोजना का गठन लोक निर्माण विभाग की वर्ष-2022 की एस0ओ0आर0 तथा डी0एस0आर0-2021 के आधार पर किया गया है, जो दरें अनुसूची में नहीं है, उनकी दरें बाजार दरों/कोटेशन के आधार पर विश्लेषित करके ली गयी है। उपर्युक्त के दृष्टिगत जनपद सिद्धार्थनगर के कपिलवस्तु के पिपरहवा स्थित विपश्यना केन्द्र के पर्यटन विकास हेतु फाल्स सीलिंग की धनराशि रू0 12.17 लाख, एकस्टिकल क्लैडिंग की धनराशि रू0 18.23 लाख एवं जिंक क्लैडिंग की धनराशि रू0 10.86 लाख अर्थात कुल धनराशि रू0 41.26 लाख के उच्च विशिष्टियों के कार्य कराया जाना प्रस्तावित है।

3- **अत: इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि** जनपद सिद्धार्थनगर के कपिलवस्तु के पिपरहवा स्थित विपश्यना केन्द्र के पर्यटन विकास की योजना में सम्मिलित उच्च विशिष्टियों के संबंध में मा0 मंत्रिपरिषद की बैठक दिनांक 16.03.2023 में निम्नलिखित निर्णय लिये गये हैं :-

(क) जनपद सिद्धार्थनगर के कपिलवस्तु के पिपरहवा स्थित विपश्यना केन्द्र के पर्यटन विकास हेतु फाल्स सीलिंग की धनराशि रू0 12.17 लाख, एकस्टिकल क्लैडिंग की धनराशि रू0 18.23 लाख एवं जिंक क्लैडिंग की

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

धनराशि रू0 10.86 लाख अर्थात कुल धनराशि रू0 41.26 लाख के उच्च विशिष्टियों के कार्य कराया जाना।

(ख) प्रकरण में अग्रत्तर निर्णय लिये जाने हेतु मा0 मुख्यमंत्री जी को अधिकृत किया गया।

4- जनपद सिद्धार्थनगर के कपिलवस्तु के पिपरहवा स्थित विपश्यना केन्द्र के पर्यटन विकास की योजना में सम्मिलित उच्च विशिष्टियों के निर्माण के संबंध में क्रियान्वयन से पूर्व पर्यटन निदेशालय/कार्यदायी संस्था द्वारा इन कार्यों हेतु प्रतिस्पर्धात्मक आधार पर दरें प्राप्त कर निर्माण कार्य सुसंगत वित्तीय नियमों के आधार पर किया जायेगा।

5- अत: कृपया तदनुसार प्रकरण में उपर्युक्त निर्णयों के परिप्रेक्ष्य में अग्रत्तर कार्यवाही सुनिश्चित कर शासन को **तत्काल सूचित करने का कष्ट करें।**

भवदीय,

(मुकेश कुमार मेश्राम)
प्रमुख सचिव।

संख्या व दिनांक तदैव।

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. मुख्य सचिव, उ0 प्र0 शासन।
2. अपर मुख्य सचिव, श्री राज्यपाल, उ0 प्र0।
3. अपर मुख्य सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उ0 प्र0।
4. निजी सचिव, मा0 मंत्री जी, पर्यटन विभाग, उ0 प्र0।
5. **अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव,**
   वित्त विभाग/न्याय विभाग/ लोक निर्माण विभाग, उ0 प्र0 शासन।
6. निदेशक, पर्यटन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
7. जिलाधिकारी, सिद्धार्थनगर।
8. वित्त नियंत्रक, पर्यटन निदेशालय, लखनऊ।
9. उप निदेशक, पर्यटन निदेशालय, लखनऊ।
10. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(रामेश्वर सिंह)
अनु सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in